

# Nie erzielet

von Clemens Brentano

Notizen / Anmerkungen

- 1 Nie erzielet,
- 2 Nie verspielet!
- 3 Aufgeräumtes,
- 4 Schwer durchträumtes
- 5 Laufgezäumtes
- 6 Blutgeschäumtes
- 7 Mutgebäumtes
- 8 Glutgesäumtes
- 9 SitzzuPferdchen
- 10 Blitzgebärdchen
- 11 Spitzgelehrtchen
- 12 Witzbeschwertchen
- 13 Treu Gefährtchen

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Das Gedicht „[Nie erzielet](#)“ von [Clemens Brentano](#) ist auf [abi-pur.de](#) veröffentlicht.

|                 |                  |               |                |
|-----------------|------------------|---------------|----------------|
| <b>Autor</b>    | Clemens Brentano | <b>Titel</b>  | „Nie erzielet“ |
| <b>Verse</b>    | 13               | <b>Wörter</b> | 17             |
| <b>Strophen</b> | 1                |               |                |

## Checkliste zur Analyse / Interpretation eines Gedichtes

### Einleitung der Gedichtanalyse

Titel des Gedichtes, Name des Autors und Entstehungs- oder Erscheinungsjahr

---

---

Gedichtart (Sonett, Ode, Haiku, Ballade, Hymne usw.)

---

---

Thema des Gedichtes (Liebesgedicht, Naturgedicht, Krieg usw.)

---

---

zeitliche Einordnung / Literaturepoche benennen

---

---

kurze Beschreibung des Gedichtes

---

---

---

---

Absicht des Gedichtes

---

---









